JET16-2-HI

जब दर्द हो तब परमेश्वर कहाँ होता है? प्रोग्राम 2

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, जीवन सरप्राइज से भरा होता है, एक दिन शायद अद्भुत हो और दुसरे दिन डॉक्टर आपको जिन्दगी खत्म करनेवाली बीमारी की खबर दे, एक्सीडेंट, प्राकृतिक विपदाए, अपराध, अपाहिज होना, जो पल भर में हमारे जीवन को बदल देगा, जब ऐसा होता है तो लोग पूछते हैं जब जीवन में इतना दर्द है तो परमेश्वर कहाँ है? ऐसे लोग सच्चे लोगों से जवाब पाना चाहते हैं, जिन्होंने उनके जितना या उनसे भी ज्यादा दू:ख सहा है, और आज आप ऐसे दो लोगों से सुनेंगे/

जॉनी इरिक्सन टाडा का 17 साल की उम्र डायविंग एक्सीडेंट में स्पाय्नल कार्ड टूट गई, जिससे ये क्वाटरप्लिजिक हुई, ये पिछले 50 साल से विहिल चेअर पर बैठी हैं, और उससे भी बढकर इन्हें ब्रेस्ट कैंसर हुआ, हरदिन बहुत दर्द सहती जाती हैं, डॉ. माइकल इसली मुड़ी बाइबल इंस्टीट्यूट के प्रेसिडेंट थे, इन्होने भयानक पीठ का दर्द महसूस करने पर रिजाईन किया, इनकी परेशनी से पीड़ादायक ऑपरेशन हुए, डॉक्टर ने इनकी सारी डिस्क निकाल दी और इनकी जान बचाने के लिए सारी हड्डियाँ इनकी स्पयनल कॉलम से जोड़ दी, अब ये लीड पास्टर हैं, फेलोशीप बाइबल चर्च, ब्रेंटवुड टेनसी में/ लेकिन हर दिन बहुत दर्द के साथ जी रहे हैं, ये दोनों जवाब देंगे आज के विषय पर कि जब जीवन में दर्द होता है तो परमेश्वर कहाँ हैं? हमारे साथ द जॉन एन्करबर्ग शो के इस विशेष प्रोग्राम में जुड़ जाए/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, मैं हूं जॉन एन्करबर्ग, मेरे साथ जुड़ने के लिए धन्यवाद, आज दो महान मेहमान हैं, जैसे आपने सुना, डॉ. माइकल इसली और जॉनी इरिक्सन टाडा, और इस प्रोग्राम में हम अपने दोस्तों से सवाल पूछेगे, हम कैसे प्रभू से बल पा सकते हैं कि भयानक दर्द में भी जीते जाए, आप में से कुछ लोगों को भयानक दर्द है, भयानक दर्द याने ये जानेवाला नही है, कल भी होगा और परसों और नरसो भी, और जैसे हम आगे बढ़ते हैं, ये और भी बुरा होगा, उसके साथ कैसे जीए? प्रभू कैसे मदत करेगा? और कईबार

ऐसा दर्द निराशा की ओर ले जाता है, हम कोने में पहुंचते हैं, और फिर निराश होते हैं, इन बातों के कारण जो हमें वो काम नही करने देती हैं जो पहले हम किया करते थे, ठीक है? माइकल, मैं क्यों सवाल से शुरू करना चाहता हूं, इस प्रोग्राम में सबसे पहले, परमेश्वर हमें क्यों दू:ख उठाने देता है?

डॉक्टर माईकल ईसली: बहुत से कारण हैं, चलिए मैं उन में से तीन बताता हूं, नंबर एक, मैं सोचता हूं कि कईबार हमारे पाप, हमारे व्यक्तिगत पाप, जो हमारे लिए दू:ख लाते हैं, हमेशा नही, लेकिन व्यक्तिगत रूप में हमारा पतन हुआ है हम पाप करते हैं, चुकते, निशाने से चुकते, और ऐसा मौका होता है कि हम पाप के साथ जीवन जीए, तो शायद परमेश्वर हमारा ध्यान आकर्षित करने के लिए हमे दर्द दे सकता है, सी एस लुईस ने इस तरह बताता कि दर्द तो बलवा करनेवाले दिल में समर्पण का झन्डा लहराता है/ याने जब मैं पाप करता हूं तब वो हमारा ध्यान आकर्षित करता है/

दूसरी बात, हम सन्दर्भ में देखा जाए तो गिरे हुए मनुष्य हैं, जब से वाटिका में आदम और हव्वा ने आज्ञा न मानते हुए उस फल को खाया था, सबकुछ गिर गया, खत्म हुआ, बहुत से लोग चश्मा पहनते हैं, बहुत से लोगों को आर्थराइटिस है, बढती उम्र के साथ दर्द और पीड़ा होती है, ये इसलिए नही की हम देखा जाए तो पाप कर रहे हैं, हम तो इस सन्दर्भ में पतन पाए लोग हैं/

और तीसरा और सबसे अजीब कि कईबार वो इसे होने देता है जिसे हम समझ नही सकते हैं, लेकिन मैं विश्वास करता हूं कि वो इसे महान उद्देश्य के लिए होने देता है, या ऐसे कुछ कारण हो जिसे हम नही जानते हैं, जब हम दर्द और पीड़ा सकते जाते हैं, तो हमें चुनाब करना पड़ता है कि कैसे मैं इस भयानक बात में होकर चलूँगा, ये जानते हुए कि परमेश्वर भला और प्रेमी है लेकिन मेरे जीवन में बो अभी भला और प्रेमी नही जान पड़ता है?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, मेरे मन में ये वचन आता है, क्योंकि मसीह के कारण तुम पर ये अनुग्रह हुआ की न केवल उस पर विश्वास करो पर उसके लिए दू:ख भी उठाओ, और तुम्हें वैसा ही परिश्रम करना है जैसा तुम ने मुझे करते देखा है, और अब भी सुनते हो, कि मैं वैसा ही करता हूं, और प्रेरित 14:22, हमें बड़े क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा, कुरिन्थियों 1:5, क्योंकि जैसे मसीह के दू:ख हम को अधिक होते हैं, वैसे ही हमारी शान्ति भी मसीह के द्वारा अधिक होती है/ क्या आप इन तीनों पर कहना चाहते हैं?

डॉक्टर माईकल ईसली: जी, यदि इस तरह से पौलुस के जीवन को देखे तो मतलब, हम दमिश्क के मार्ग पर वापस जाए, शायद हम उसकी बुलाहट में वापस जाए, और हननन्याह/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये महान कहानी हैं, महान उदाहरण है/

डॉक्टर माईकल ईसली: ये भयानक कहानी है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, जानता हूं/

डॉक्टर माईकल ईसली: ये बड़ी भयानक कहानी है, लेकिन/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हननन्याह कौन था, सबसे पहले?

डॉक्टर माईकल ईसली: खैर, पौलुस अपने साथ दस्तावेज (पेपर) लेकर जाता है, कि वहां इस मार्ग पर चलनेवाले विश्वासीयों की सताए, तो वो दमिश्क के मार्ग पर था, और परमेश्वर उसे अँधा करता है, हननन्याह ऐसा भविष्यवक्ता था जो अपना काम कर रहा था, घर में रहकर भविष्यवाणी और ये सब करता था, और परमेश्वर उससे कहता है कि मैं चाहता हूं कि जाकर बंद कमरे में पड़े शाऊल से बातें करो, चलिए इस वचन को पढ़ते हैं/

डॉक्टर माईकल ईसली: हननयाह ने उत्तर दिया, हे प्रभू, मैंने इस मनुष्य के विषय में बहुतों से सुना है कि इसने यरूशलेम में तेरे पवित्र लोगों के साथ बड़ी-बड़ी बुराइयां की हैं, और यहाँ भी इसको प्रधान याजकों की ओर से अधिकार मिला है, कि जो लोग तेरा नाम लेते हैं, उन सब को बांध ले, परन्तु प्रभू ने उससे कहा, तू चला जा, क्योंकि वह तो अन्यजातियों और राजाओं और इस्राएलियों के सामने मेरा नाम प्रगट करने के लिए मेरा चुना हुआ पात्र है, और यही मुख्य बात है, मैं उसे बताऊंगा कि मेरे नाम के लिए उसे कैसा कैसा दू:ख उठाना पड़ेगा/ तो यहाँ ये हैं जिसे हम आयवि लीग के रब्बी कहेंग/ उसने यरूशलेम के अधिकारीयों से पेपर लिए थे और वो अँधा हो गया, हननयाह अपना अद्भुत काम करता है कि जाकर उसका सामना करता है, और कहानी के अंत में पौलूस के छिलके गिर जाते हैं, लेकिन ये चकित करनेवाला मिशन वाक्य, कि वो मेरे नाम के लिए बहुत दू:ख उठाएगा, याने यहूदियों का यहूदी के नाते उसकी जिज्ञासा अब, 180 डिग्री घूमकर वो अन्यजाती के लिए जिज्ञासा से भरा प्रेरित होता है, अवश्य ही वो कई साल जेल में बताता है, जहाज टूटता है, मुसीबतें आती, सांप

कांटता है, सताया जाता, भागता है, उसे टोकरी ने नीचे उतारकर क्रोधित भीड़ से बचाकर निकाला जाता है, उसका जीवन केवल भागना और जेल में रहना था, उसके मरते समय तक, और ये महान संत पौलुस है, जिसे दू:ख उठाने के लिए चुना गया था, अब यदि आप सम्पन्नता को 1 से 1 लेंगे या दू:ख को 1 से 1 लेंगे, अवश्य ही मैं सम्पन्नता को 1 से 1 लूँगा, लेकिन वचन में ये परमेश्वर की योजना दिखती है, हम सब दू:ख उठाएगे, किसी न किसी रूप या आकर में/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, वचन 26, आप जिस वचन से बता रहे हैं, वो शब्द उपयोग करता है कि हम खतरे में या जोखिम में थे/ ये शब्द एक वचन में 8 बार आता है, ठीक है? याने वो इसी के साथ हर समय जी रहा था, वो चुना हुआ पात्र था, परमेश्वर उसका महान उपयोग करनेवाला था, लेकिन जेल में जो समय बिताया और ये सारी बातें, पत्थरवाह से लेकर उसे मरना चाहा, वो जहाँ भी गया वहां गलत व्यवहार हुआ, ये ऐसा जीवन था, और ये महान प्रेरित पौलुस था, तो हम कहाँ आते हैं?

डॉक्टर माईकल ईसली: हम पौलुस के जीवन को देखते हैं, अवश्य ही हम उसके जैसे नही चुने गए हैं, लेकिन हमें मसीह ने बुलाया है और परमेश्वर ने चुना है, याने हमारे जीवन जैसे ही जब परमेश्वर ने पौलुस को चुना तो उसे कुछ पता नही था कि परमेश्वर उसका कैसे उपयोग करनेवाला है, उसकी महिमा, उसकी भलाई, जब जॉनी अपने जीवन को देखती, मैं अपने दर्द से भरे जीवन को देखता हूं, जो लोग आपका प्रोग्राम देख रहे हैं, शायद उन्हें हम से भी ज्यादा परेशानी हैं, ये देखना कि उसने आपको चुना, वो आपकी परवाह करता है, प्रेम करता है, और वो आपका उपयोग करेगा, ये सबसे मुश्किल भाग होता है जब हम योग्यता खो देते हैं, हम पहले जो करते थे नही कर पा रहे हैं, ओ अब मैं उपयोगी नही रहा, और यही पर किसी तरह से, मैं नही समझता जॉन, हमारी कमजोरी में वो बलवान होता है, वो किसी तरह से शरीर की कमजोरी को दूर करता है, और हमारा उपयोग करता है, और मुझे नही लगता कि हम इस जीवनकाल में हम कभी इसे समझ पाएगे, मैं सोचता हूं कि ये बाद में आएगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, अब चलिए आपका व्यक्तिगत उदाहरण देखते हैं, क्योंकि इन सारी बातों के पहले आप सबकुछ कर सकते थे, आप रैकेट बॉल में अद्भुत थे, कोई भी कार सूधार सकते थे, घर में काम करते थे, घास कांटते थे, और फिर बताइए क्या हुआ?/

डॉक्टर माईकल ईसली: मैं सराहना करता हूं कि इसे याद दिलाकर फिर बुरा मानने लगाया, जानते हैं, आप जहां हैं उसके बारे में भूल जाते हैं, क्योंकि आपकी पहचान ही काफी होती है, आपकी पहचान है कि मैं ये सिख सकता हूं, मैं सब कर सकता हूं, इसे सही कर सकता हूं, और जब ये संभावनाए चली जाती हैं जैसे पहले भी चर्चा की है, फिर आप जानते हैं, कि मेरी पहचान ये नही जो मैं करता या संसार में क्या काम करता हूं, मेरी पहचान मसीह के व्यक्तित्व और उसके काम में है/ और हम में से सबसे महान उपयोग उसका होगा जो हमारी सीमाओं और अयोग्यता के बावजूद काम करता है, हमारे पास जो नही हैं उसके बावजूद भी/ उसने बहुत ज्ञानवान, और न बहुत सामर्थी, और न बहुत कुलीन बुलाए, परन्तु परमेश्वर ने जगत के मूर्खों को चुन लिया है कि ज्ञानवालों को लज्जित करें, और परमेश्वर ने जगत के निर्बलों को चुन लिया है कि बलवानों को लज्जित करे/ तो मैं सोचता हूं कि मसीह में हमारी जगह, और ये हमेशा यही होता है, कि मेरे अनुभव मुझे परमेश्वर के बारे में न सिखाए, वचन मेरे परमेश्वर के बारे में मुझे सिखाए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, जॉनी हमें इन जवाबों के बारे में चर्चा करनी है जब लोग निराशा और परेशानी से जाते हैं, क्योंकि उन्हें पुराना दर्द है और हमेश उसी के साथ रहते आए हैं, और एक वचन जो आपको पसंद है वो है फिलिप्पियो 1:3, मैं जब जब तुम्हें स्मरण करता हूं, तब तब अपने परमेश्वर को धन्यवाद करता हूं/

जॉनी इरिकसन टाडा: ये वचन मुझे बहुत प्रोत्साहित करता है, क्योंकि इसका सन्दर्भ देखिए, पौलुस फिलिप्पी के अपने दोस्तों को लिखता है, और वो लिखता है, जेल के कमरे से/ और वो अपनी पत्री ये कहते हुए शुरू कर सकता था, प्यारे दोस्तों, जेल में बदबू है, यहाँ बर्फ जैसे ठंड है, खाना तो भयानक है, जेलर कठोर है, मेरे कमरेवाले मुझे सताते हैं, मेरी चेन मेरी कलाई और हाथों को चुभ रही है, यहाँ रात में बर्फ गिरती है और वो मुझे ब्लैंकेट भी न ही देते/ वो ऐसा नही करता, वो पत्री की शुरुवात शिकायत के साथ नही करता है, ये ऐसा है जिसे शायद मैं करूं, और इसलिए मुझे प्रेरणा मिलती है इस एक अद्भुत वचन फिलिप्पियो अध्याय 1 वचन 3 से/ पौलुस अपनी पत्री की शुरुवात ये कहते हुए करता है, जब तुम्हें स्मरण करता हूं, तब परमेश्वर को धन्यवाद देता हूं, ओ मेरे प्रभू ये प्रोत्साहित करता है क्योंकि ये मुझे बताता है, मेरे दू:खों में मुझे दूसरों की ओर देखना होगा, उन्हें देखना है जो मुझ से भी ज्यादा दू:ख में हैं/

मैं आपको वो फोटो दिखाना चाहती हूं जो मेरी दीवार पर हैं, मेरे डेस्क के पास, जब भी मैं जॉनी एंड फ्रेन्ड्स के ऑफिस में आती हूं, मैं इस फोटो को देखती हूं, ये अफ्रीकी भाई हैं, जिनसे घाना में मुलाकत हुई थी, जो पेड़ से

गिर गए थे, पीठ टूट गई, और सड़क के किनारे रख दिए गए/ ऐसी जगह जहाँ हॉस्पिटल, या क्लिनिक या एम्बुलेंस इनकी मदत के लिए दौडकर नही आई, वो कुछ घंटे तक वही रहे और कुछ घंटों के बाद उनके दोस्तों ने उन्हें ढूंडा और उन्हें खींचते हुए घर ले गए/ और अब वो एक ही पोजीशन में भयानक दर्द में बैठा रहता है, जब मैं अपने डेस्क में देखती और इस फोटो को देखती, ये मेरे लिए स्पष्ट चित्र है, खैर फिलिप्पियों अध्याय 2 वचन 14, सब काम बिना कुडकुडाए करो, क्या बाइबल सच में अपेक्षा करती है कि ऐसा करें, सब काम बिना कुडकुडाए करो, माइकल ने इस सच्चाई के बारे में कहा जो हमने परमेश्वर के बारे में सिखा है, उसे उसके वचन पर लेना है/ तो मैं शिकायत नही करूंगी, मैं दीवार पर उस भाई को देखूंगी, और खुद से कहूंगी, जॉनी, चाहे तुम्हारी पीठ में कितना भी दर्द हो, या तुम्हारा लकवा कितना भी सीमित करे, तुम आज सेवकाई के काम की हर बूंद को इस क्वाटरप्लिजिक शरीर से निकालोगी, कि अपनी शक्ति में सबकुछ करो, कि उन्हें प्रोत्साहित करें, उकसाए, उत्साहित करे, उसकी सेवा करें और ऐसे लोगों की सेवा करें/

संसार में एक बिलियन लोग अपाहिज हैं और वो उसी के जैसे जीते हैं, उन में से 80 प्रतिशत तो प्रगतिशील देश हैं, और मैं अमेरिका में बैठती हूं, इस विहिल चेअर पर, और टेबल पर भोजन मिलता है, और मेरी मदत के लिए दोस्त हैं, फिर भी अपने लिए ही आशीष रखती हूं, मतलब मुझे अब्राहम जैसे होना है, मैं देशों के लिए आशीष होना चाहती हूं, इसे देना चाहती हूं, आशीष को ख़ुशी से अपनी गोद में लेकर उन्हें उत्साहित करना चाहती हूं, जिसकी परिस्थिती मुझे से ज्यादा मुश्किल है/

और जॉन, मेरी निराशा में इससे ज्यादा मदतगार कुछ नही, निराशा तो गायब होने लगती है, जब मैं सुबह उठती हूं, नहाती हूं तैयार होती हूं, सामने के द्वार पर जाती हूं तो समाज में से किसी को देखती हूं, जो मुझे भी ज्यादा दू:खी है, मैं उन लोगों को इस तरह से सलाह देती हूं जिनकी दशा तो मुझे बहुत मुश्किल और परेशानी से भरी हैं, और ये सलाह मैं अपने दोस्तों को आज भी देती हूं, ये निराशा के लिए सबसे अच्छा उपचार है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम चर्चा कर रहे हैं डॉ. माइकल इसली और जॉनी इरिकसन टाडा से, इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं जो हम प्रभाव डालता है, जब पुराना दर्द महसूस करते हैं तब क्या करें, ऐसा दर्द जिसके साथ जीवन भर काम करना पड़ता है, ठीक है? जो और भी बुरा होगा, जो निराशा और डिप्रेशन में लाता है, ठीक है? ऐसे समय परमेश्वर कैसे हमारी मदत करता है, ये वचन जॉनी के विहिल चेअर पर लगाना चाहिए, ठीक है, ये बताता है परमेश्वर पौलुस को तस्सली देता है, और इस तस्सली से मदत मिली क ई पौलुस दूसरों को तस्सली देता है, ये इस तरह है, हमारे प्रभु यीशु मसीह के परमेश्वर और पिता का धन्यवाद हो, जो दया का

पिता और सब प्रकार की शान्ति का परमेश्वर है/ वह हमारे सब क्लेशों में शान्ति देता है ताकि हम उस शान्ति के कारण जो परमेश्वर हमें देता है, उन्हें भी शान्ति दे सके, जो किसी प्रकार के क्लेश में हों/ जॉनी, मेरे लिए ये तो आप हैं/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी, मैंने ब्रेके के पहले यही बताया था/ इसमें परमेश्वर हमारी परेशानी में हमें तस्सली देता है, कि हम किसी भी परेशानी में पड़े लोगों को तस्सली दे सके/ चाहे क्वाटरप्लिजिक या पैराप्लिजिक हो, मैं तस्सली दे सकती हूं, मतलब किसी को भी तस्सली दे सकते हैं, ये कितना आनंद, आदर और सौभाग्य है, लेकिन परमेश्वर का वचन तस्सली देता है, सच में, कुछ दिनों पहले मैं, बहुत निराश थी, मैं ओर्थोपेडिक स्पेशलिस्ट के पास गई और मैं आशा कर रही थी, कि उनके पास जादू की दवाई हो, तुरन्त जवाब या सर्जरी काम करे, लेकिन उसने अपना सिर हिलाकर मुझ से और मेरे पति से कहा, आपकी क्वाटरप्लिजिक हड्डियां बहुत नाजुक हैं, हम आपके लिए कुछ नही कर सकते हैं, ये हालही की बात है, अगले दिन मुझे उठकर काम पर जाना था, मुझे सच में सामने के दरवाजे तक विहिल चेअर से जाना पसंद नही आया, कि जॉनी एंड फ्रेन्ड्स के हेडक्वार्टर में जाकर किसी की ओर मुस्कुराऊं, मैं निराश थी परेशान थी, मेरा दिल टूट चूका था, और पुरे रास्ते में, 101 फ्री वे में, काम पर जाते हुए, स्लो लेन में हर एक बम्प का झटका मेरी पीठ तक जाता, और मैं केवल निराश ही नही थी, मैं तो भयानक दर्द में भी थी, तो परमेश्वर तू मुझे कैसे तस्सली देगा?

और फिर अचानक ही मुझे वो वचन याद आया जो मैंने कई साल पहले याद किया था, भजन 119 वचन 50, जहाँ ये कहता है, मेरे दू:ख में मुझे शान्ति उसी से हुई है, क्योंकि तेरे वचन के द्वारा मैंने जीवन पाया है/ लगता है कुछ अनुवाद कहते हैं, कि मेरे जीवन को नया बनाते हैं, मेरा जीवन बचाते हैं, और मैं बताऊ जॉन, उस फ्री वे पर बाकि जो दुरी थी, अगली 6 एक्सिट तक, मैं जोर से इसे कह रही थी, जोर से, मुझे प्रभू की जो प्रतिज्ञा याद आ रही थी जोर से कहा, ओ प्रभू तूने प्रतिज्ञा की है कि इस दर्द के लिए तेरा अनुग्रह काफी है, और तूने प्रतिज्ञा की है कि तू मुझे कभी नही छोड़ेगा, न त्यागेगा/ तूने यहोशु में प्रतिज्ञा की है कि तू आगे जाकर मेरे लिए लड़ेगा/ तूने प्रतिज्ञा की है कि खतरे में तू मेरी सहायता होगा, तूने प्रतिज्ञा की है, और प्रतिज्ञा की है कि सब लिम्क्र भलाई उत्पन्न करेगी, बैंग, बैंग, बैंग, हर फ्री वे की एक्सिट पर मैं 20 प्रतिज्ञा का दावा करती थी/

और जॉन, मैं बता नही सकती कि जब मैं हमारे ऑफिस के पार्किंग लॉट में पहुंची, परमेश्वर के वचन ने मुझे न या बनाया है, मुझे ताज़ा बनाया, मेरे जीवन को नया बनाया, और मैंने सर हिलाया, और चौक गई, क्योंकि केवल 20 मिनट की ड्राइव में, मेरे घर से ऑफिस के बीच, लेकिन परमेश्वर को उसके वचन के अनुसार लेना,

जब वो कहता है कि हमारी तस्सली तो उसकी प्रतिज्ञा है, जो हमारा जीवन नया बनाए तो उसे थाम ले, और केवल उसे थामे ही नही, उसे कहे, बोले और बताते जाए, जोर कहे, उसे आवाज़ दे, उन्हें मांस और हड्डी और शरीर दें, और सच में इसका अर्थ जानते हुए उसे कहते जाए, और परमेश्वर अपना अनुग्रह उंडेलेगा, कि हम विश्वास का वो कदम उठाए, कि निराशा से बाहर आए, कि हम से भी ज्यादा दू:खी व्यक्ति को खोजे, कि उसके वचन पर विश्वास करें, जिस पर पहले कभी विश्वास नही किया, विश्वास में कभी कदम नही बढाए, और परमेश्वर को जानना और इस बारे में उस पर भरोसा करना, इस लंगर जैसे वचन को थामे रहना, ये मानो निराशा की धुन्द को दूर करने के लिए फेन ऑन करने जैसे है/ मैं बहुत आभारी हूं कि अभी भी निराश होने पर भी, और कईबार ये रोमांचित करनेवाला है, मेरे पास प्रभू का वचन है, मेरे पास वो प्रतिज्ञा हैं, जिसे माइकल अभी कुछ पल पहले पढ़ रहे थे कि मेरे जीवन को नया बनाए/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: माइकल मुझे यहाँ विषय बदलना होगा, ठीक है? जब हम दू:खो के बारे में कहते हैं, चर्च में ऐसे बहुत से लोग हैं जो विश्वास करते हैं कि तन्दुरुस्त, धन और सम्पनता ही नियम है/ ऐसी चीजें हैं जो परमेश्वर हमें देता है, लेकिन ऐसे बहुत से वचन हैं, जिसे लोग छोड़ देते हैं, उनमे से कुछ बताइए/

डॉक्टर माईकल ईसली: फिलिप्पियों 1:29, क्योंकि मसीह के कारण तुम पर ये अनुग्रह हुआ, कि न केवल उस पर विश्वास करो पर उसके लिए दू:ख भी उठाओ, और तुम्हें वैसा ही परिश्रम करना है जैसे तुम ने मुझे करते देखा है, और अब भी सुनते हो कि मैं वैसा ही करता हूं/ और जॉनी के वचन के अनुसार फिलिप्पियों की किताब से, देखिए हम भी दू:ख उठाएगे, ये आशीषे, जी ये अद्भुत हैं, लेकिन जिस तरह मैंने दू:ख उठाए वैसे ही तुम भी दू:ख उठाओगे/

प्रेरित 14:22, हमें बड़े क्लेश उठाकर परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करना होगा, ये मुश्किल होगा, हम दुष्ट संसार में जीते हैं, पतन पाए लोग बुरे संसार में रहते हैं/

दूसरा कुरिन्थियों 1:5, जैसे मसीह के दू:ख हमारे जीवन में बहते जाए, वैसे ही हमारी शान्ति भी मसीह के द्वारा अधिक होती है/

और अंत में, पहला पतरस, 4:12, हे प्रियों, जो दू:ख रूपी अग्नि तुम्हारे परखने के लिए तुम में भडकी है, इस से यह समझकर अचम्भा न करो कि कोई अनोखी बात तुम पर बीत रही है, अब ये मुश्किल भाग है पर जैसे जैसे

मसीह के दू:खों में सहभागी होते हो, आनंद करो, जिससे उसकी महिमा के प्रगट होते समय भी तुम आनन्दित और मगन हो/ यहाँ पहला पतरस में पूरा वचन तो उन लोगों का है जो मसीह के लिए दू:ख उठाते हैं, मुझे पता नही लोग कैसे धन और तन्दुरुस्त क इ दृष्टिकोण को थामे रहते हैं, पहला पतरस को देखने के बाद, पूरा निर्देश यही है कि दू:ख उठाने के वक्त क्या करें, क्योंकि दू:ख उठाने ही होंगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, हमारे पास कुछ मिनट बाकी हैं और मैं एक और बात पर कहना चाहता हूं, और वो है, मृत्यु का डर, हम तीनों ने पिछले कुछ साल में, सोचा कि हम मर जाएगे, मुझे ये नही कहना चाहिए, लेकिन जब जॉनी ने इसे सुना तो ख़ुशी से सोचा कि वो सारे दू:खों से बाहर हो गई, हमारे पासा इस पर कोई नियन्त्रण नही है, ये तो सच में संभव है, और परमेश्वर ने हमें बचाया है, ठीक है, जो लोग अभी इस परिस्थिति में हैं, तो जिसका सामना कर रहे हैं उसके लिए परमेश्वर की शांति और तस्सली कैसे पाए?

डॉक्टर माईकल ईसली: जी, पहले यदि आपका मसीह के साथ संबंध नही है, ये सबसे पहली चिन्ता हम सब में होती है, वो यही कि वो जाने कि मसीह जिया, और मरा, गाढ़ा गया और मुर्दों में से जी उठा है, कि वो मसीह पर और केवल मसीह पर भरोसा रखे, ये अनन्त जीवन के लिए मुफ्त का वरदान है, और हमारे पाप क्षमा किए गए हैं, ये बुनियादी बात है, ये बुनियाद है जिसे हम मसीह के काम और व्यक्तित्व में विश्वास करना है/

तो फिर जब मैं इस घटनाओं से जाता हूं चाहे सर्जरी हो, जहाँ मैं इस क्रम में जीता हूं, वचन परमेश्वर से है, वो हमारे दिन जानता है, उसने हमारे सिर के बल गिने हैं, जानता है हम यहाँ कब तक होंगे, लेकिन उसमे आनंद की बात है कि यदि ये सर्जरी हमें घर ले जाए, और परमेश्वर अपना वचन पूरा करता है, लेकिन हम जाग जाए तो ये परमेश्वर की आज्ञा है कि इस पृथ्वी पर अपना काम करे/

जॉनी की बात देखिए, ये बहुत से विश्वासियों के लिए बहुत मुश्किल है, जॉनी बहुत मुश्किल दर्द के साथ रहती हैं, मैं बहुत दर्द के साथ जीता हूं, हम ऐसे लोगों को जानते जिन्हें ज्यादा या कम दर्द होता है, जब वो मेरी सेवा करती हैं और मैं बाहर जाता हूं, तो शिकायत करने के लिए कुछ नही रहता है, लेकिन यदि जॉनी कुछ कहे जिससे मैं बिखर जाता हूं, और मेरे भी दोस्त हैं, और शायद में से समय का 10 प्रतिशत, मैं उसके साथ बिताता हूं जिन्हें पीठ का दर्द है, या जिन्होंने इस तरह का डायग्नोस पहली बार पाया है, याने इस तरह की बात पता चली कि पैराप्लिजिक या क्वाटरप्लिजिक हैं, हम जानते हैं उनके आगे क्या हैं, लेकिन ये सब उन्हें नही बता सकते हैं, और हम उनसे कहते हैं, देखिए अगला काम कीजिए, अगला काम कीजिए, कोई भी ये कर सकता है,

यही फर्क है उसमे जो निराशा से जाते हैं, खुद पर दया करते हैं, निराशा में हैं, और ऐसे व्यक्ति जो कहते हैं, चाहे वो मुझे मार दे, मैं उससे प्यार करूंगा, मुझे मेरे जीवन का पता नही, लेकिन मैं उस पर विश्वास रखूंगा, मुझे वो विश्वास दे, कि तुझ पर विश्वास करूं, चाहे मेरे अनुभव मुझ से कुछ भी कहे/ और जॉन मेरे लिए कईबार ऐसे ही होता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आपने इतना दर्द सहा कि जब डॉक्टर ने आपसे कहा कि आपको कैन्सर हैं, तो आपने कहा, आहां मैं यहाँ से जा रही हूं, लेकिन फिर आपके पति केन के प्रेम के कारण/

जॉनी इरिकसन टाडा: जी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: परमेश्वर ने आपका मन बदल दिया, किया हुआ?

जॉनी इरिकसन टाडा: जी, सही कहा, जब मुझे स्टेज 3 कैंसर का डायग्नोस मिला, मुझे तस्सली मिली और सोचा कि परमेश्वर मुझे जल्दी घर बुला रहा है, लेकिन जब मैंने अपनी पति से अद्भुत मदत, प्रेम और सहायता पाई, और देखा कि उन्हें मेरी कितनी जरूरत है, ये मेरे लिए बहुत ही अद्भुत था, क्योंकि, मुझे बहुत मदत चाहिए थी, और वो हमेशा मेरे लिए काम कर रहे थे, लेकिन, कुछ भी हो वो मुझ से प्यार करते हैं, उससे मैंने रहना चाहा, कि मुझे जो तस्सली दी गई, वो उन्हें भी दे सकूं, कि मेरी दिलचस्पी के पहले उनकी दिलचस्पी देखूं, और जब मृत्यु का वो समय आएगा, मुझे पुराने हीम की वो लाइन पसंद है, जब मैं यरदन के पार चली जाउंगी, मेरी बड़ी चिन्ता खत्म हो जाएगी, मृत्यु का अंत और नरक के विनाश के परे, मैं सुरक्षित कनान पहुंच जाउंगी, मैं महसूस करती हूं कि जब मैं अनंतकाल के उस पार चली जाउंगी, तो मैं यही गीत गाऊँगी, और अपने पति का हाथ थामे रहूंगी/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, अगले हफ्ते हमारा सवाल तो आप निश्चय ही सुनना चाहेंगे, और वो तो यही है, क्या ये परमेश्वर की इच्छा है कि विश्वास में प्रार्थना करनेवाले सब लोगों को चंगाई दे, बिमारी से चंगाई दे? क्या उर्के परिणाम में परमेश्वर सबको चंगाई देता है? मैं दोनों मेहमानों को इस सवाल का जवाब पूछूँगा, आशा है कि आप जुड़ जाएगे/

/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाे एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यद्द ठ्ठड़ड़ड्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्दृध्र्.दृद्धढ़

@JAshow.org

क्दृद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2012 ऋड्ढड़क्ष्